>

Title: Need to construct a new bridge on N.H. 29 (E) between Gorakhpur and Sonauli in Uttar Pradesh-laid.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): गारेखपुर-सोनौली राजमार्ग भारत को नेपाल से जोड़ने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिपथ का एक भाग है, जो भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बनी को उनकी निर्वाणस्थली कुशीनगर और सारनाथ से जोड़ता है। इसके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 29(ई) करने का निर्णय लिया। इस राजमार्ग के कि.मी. 86 पर गोरखपुर महानगर को ग्रामीण क्षेत्र से जोड़ने के लिए सन 1964 में एक सेतु बना था, जिसे महेसरा सेतु के नाम से जाना जाता है। 2 अक्टूबर, 2006 को यह सेतु पहली बार क्षतिग्रस्त हुआ, जिससे इस अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मार्ग पर 2 माह तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस सेतु की मरम्मत आदि का कार्य सम्पन्न किया लेकिन 29 अप्रैल, 2007 को यह सेतु पुनः क्षतिग्रस्त हो गया तथा तीन माह तक इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। जुलाई, 2007 के अंत में मरम्मत के बाद यह सेतु खोला गया तो 14 अगस्त, 2007 को यह सेतु पुनः क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे आवागमन पुनः बाधित हो गया तथा पांच माह तक इस मार्ग पर आवागमन बाधित होने के बाद दिसम्बर, 2007 में इस सेतु को यातायात के लिए मरम्मत करके चलाया जा रहा है। लेकिन इस अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मार्ग पर जो कि गोरखपुर को अन्य जनपदों महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, श्रवास्ती के साथ जोड़ता है। साथ ही नेपाल जाने का महत्वपूर्ण मार्ग भी है। इस मार्ग पर 20 टन से अधिक क्षमता का भार यह सेतु नहीं उठा सकता। नए सेतु के निर्माण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मंत्रालय को प्रेषित की है। इस मार्ग के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए नया सेतु बनना आवश्यक है।

कृपया इस मार्ग के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए महेसरा सेतु के बगल में एक नए सेतु का निर्माण सुनिश्चित कराया जाये।